समाज का , देश का , सरकार का , राजा का निर्माण कैसे हुआ ?

Social Contract theory? Explain it.

Answer: hobbes, locke, Rousseau.

सामाजिक संविधा का सिद्धांत Principle of Social Contract

प्राकृतिक अवस्था – सरकार नियम – हाब्स – लाक – रूसो – ने वर्णन किया। इसे भयानक अराजक बताया। – किसी ने शांतिपूर्ण भी बताया। – लोगों ने आपस में समझोता किया – अपने मुखिया को चुना – उसे अपने कुछ अधिकार दिए – बदले में उससे अपनी सुरक्षा, अपने परिवार की सुरक्षा, तथा जान माल की सुरक्षा मांगी – यहां से कबीलो का निमार्ण हुआ जिसे आज के समय में बडें स्तर पर राज्य कहते है।

समय

थामस हाब्स – प्राकृतिक जीवन – अकेला – गरीब – बुरा – दुखी – बर्बर – । सभी ने मिलकर एक मुखिया – राजा चुना जो अधिकतर निरंकुश होता था

जान लाक – लोगों के पास प्राकृतिक अवस्था में स्वतंत्रता सम्पत्ती के अधिकार थे – सरकार यानी कबीलों के मुखिया का काम इनकी सुरक्षा करना होता था। जो मुखिया नहीं कर पाता था उसे बदल दिया जाता था।

जीन जैक्स रूसो – प्राकृतिक अवस्था में सहज थें लेकिन समय के साथ साथ समाज में बदलाव आया लोग भ्रष्ट हो गए – वहां से समाज का जन्म हुआ। लोगों ने अपनी इच्छा से अपने कुछ अधिकार मुखिया को दिए जिससे वह समाज में सभी की भलाई कर सकें।

संक्षेप :– सरकार मुखिया और नागरिक आपसी समझौतें से बंधे हुए होते थें। लोग अपने कुछ अधिकार छोडतें थे ताकि सरकार मुखिया कबीले का राजा उनकी देखभाल कर सकें।

सामाजिक संविदा का सिद्धांत :– सोशल कोन्ट्रैक्ट थ्योरी, एक राजनीतिक और दार्शनिक सिद्धांत है, जो यह बताता है कि राज्य का निर्माण व्यक्तियों के आपसी समझौते से हुआ है। इस सिद्धांत के अनुसार, लोग एक प्राकृतिक अवस्था से निकलकर, एक व्यवस्थित और सुरक्षित समाज में रहने के लिए आपस में एक समझौता करते हैं।

सिद्धांत की मूल अवधारणा

प्राकृतिक अवस्था– यह वह स्थिति है जब कोई सरकार, कानून या नियम नहीं था। इस अवस्था को हाब्स ने अराजक और भयानक बताया, जबकि लाक ने इसे अपेक्षतया शांतिपूर्ण और रूसो ने इसे प्राकृतिक समानता वाला बताया।

समझौता संविदा:– इस अवस्था में समस्याओं से निपटने और जीवन को बेहतर बनाने के लिए, लोगों ने आपस में मिलकर एक समझौता किया।

राज्य का निर्माण:– इस समझौते के परिणामस्वरूप, लोगों ने अपने कुछ अधिकार एक संप्रभु शक्ति जैसे राजा या सरकार को सौंप दिए। बदले में, संप्रभु ने उन्हें सुरक्षा और व्यवस्था प्रदान करने का वादा किया।

📜 **Principle of Social Contract**

(सामाजिक अनुबंध का सिद्धांत)

English Explanation:

Meaning:
The Social Contract Theory explains the **origin of the State and Law**. It says that, in ancient times, people lived in a **state of nature** where there was no government, law, or authority. Everyone was free, but this unlimited freedom led to fear, insecurity, and conflict.

To live peacefully and protect their life, liberty, and property, people entered into an **agreement (contract)** among themselves — this agreement is called the **Social Contract**.
Through this contract, people surrendered some of their natural rights to a ruler or government in exchange for protection and order.

Thus, the **State was created by man's consent**, not by divine power.

Main Features of the Social Contract Theory:

1. In the beginning, people lived in a **state of nature** — without law or government.
2. Life was full of **uncertainty, fear, and danger**.
3. To overcome these problems, people made a **social agreement** among themselves.
4. They gave up some rights and powers to form a **state or ruler**.
5. The ruler's duty was to **protect the life and liberty** of the people.
6. If the ruler failed to protect them, **people had the right to change him.**

Main Thinkers:

1. Thomas Hobbes (1588–1679)

- Life in the state of nature was "**solitary, poor, nasty, brutish, and short**."
- People entered a contract to form a strong ruler (Leviathan) with absolute power.
- The ruler was not a party to the contract, so people had no right to revolt.
- Hobbes supported **absolute monarchy.**

2. John Locke (1632–1704)

- State of nature was peaceful but insecure.
- People had natural rights — **life, liberty, and property.**
- The contract created a **limited government** to protect these rights.
- If government failed, people had the **right to revolt.**

3. Jean-Jacques Rousseau (1712–1778)

- Human beings were originally good, free, and moral, but society corrupted them.
- People formed a contract to create a **"General Will"** — the collective will of all.
- Sovereignty lies with the **people**, not the ruler.

- Rousseau supported **democracy** and **popular sovereignty.**

Criticism:

1. The state of nature is imaginary, not historical.
2. No real contract ever existed.
3. It cannot explain how modern governments function.
4. Yet, it is valuable for introducing **the idea of consent and democracy** in law and politics.

Modern Relevance:

- The theory laid the foundation for **modern democracy, constitutional government, and individual rights**.
- The concept of "**Government of the people, by the people, for the people**" is based on this principle.

Conclusion:

The Social Contract Theory teaches that the state is not divine but **created by the will of the people**. Its purpose is to secure safety, justice, and welfare for all.
It transformed political thought from **"rule by force" to "rule by consent."**

हिन्दी में व्याख्या:

अर्थ:

सामाजिक अनुबंध का सिद्धांत राज्य और कानून की उत्पत्ति को समझाने वाला एक प्रमुख सिद्धांत है।
इसके अनुसार प्रारंभिक अवस्था में मनुष्य **प्राकृतिक दशा (State of Nature)** में रहता था — जहाँ कोई सरकार, कानून या न्यायालय नहीं था।
हर व्यक्ति पूर्ण स्वतंत्र था, परंतु यही असीम स्वतंत्रता **अराजकता, भय और असुरक्षा** का कारण बनी।

फिर लोगों ने आपसी सहमति से एक **अनुबंध (Contract)** किया — ताकि वे शांति और सुरक्षा के साथ रह सकें।
इस अनुबंध के माध्यम से लोगों ने अपनी कुछ प्राकृतिक स्वतंत्रताएँ सरकार या शासक को सौंप दीं, बदले में उन्हें **सुरक्षा और व्यवस्था** प्राप्त हुई।
इसी प्रकार राज्य की उत्पत्ति हुई — जो मनुष्य की इच्छा से बना, ईश्वर की देन नहीं थी।

मुख्य विशेषताएँ:

1. प्रारंभ में लोग प्राकृतिक दशा में रहते थे, जहाँ कोई कानून या शासन नहीं था।
2. जीवन असुरक्षित, भयभीत और अनिश्चित था।
3. इन समस्याओं से बचने के लिए लोगों ने एक **सामाजिक अनुबंध** किया।

4. लोगों ने अपनी कुछ स्वतंत्रताएँ त्याग दीं और एक **राज्य या शासक** का गठन किया।
5. शासक का मुख्य कर्तव्य लोगों के **जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा** करना था।
6. यदि शासक असफल होता, तो लोगों को उसे **बदलने का अधिकार** था।

मुख्य विचारक:

1. थॉमस हॉब्स (Thomas Hobbes)

- प्राकृतिक दशा में जीवन "**एकाकी, निर्धन, जंगली और भयावह**" था।
- लोगों ने एक शक्तिशाली शासक (Leviathan) को बनाने हेतु अनुबंध किया।
- शासक को पूर्ण सत्ता प्राप्त थी।
- जनता को विद्रोह का अधिकार नहीं था।
- हॉब्स ने **पूर्ण राजतंत्र (Absolute Monarchy)** का समर्थन किया।

2. जॉन लॉक (John Locke)

- प्राकृतिक दशा शांतिपूर्ण थी पर सुरक्षा का अभाव था।
- प्रत्येक व्यक्ति को **जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति** का प्राकृतिक अधिकार था।
- अनुबंध से एक **सीमित सरकार (Limited Government)** बनी।
- यदि सरकार अपने कर्तव्य में असफल होती है, तो जनता को **उसे हटाने का अधिकार** है।

3. जीन-जैक्स रूसो (Jean-Jacques Rousseau)

- मनुष्य स्वभाव से अच्छा, स्वतंत्र और नैतिक था, पर समाज ने उसे भ्रष्ट कर दिया।
- लोगों ने सामूहिक रूप से **सामान्य इच्छा (General Will)** के अनुसार शासन स्थापित किया।
- **सर्वोच्च सत्ता जनता के पास** है, न कि शासक के पास।
- रूसो ने **लोकतंत्र और जनसत्ता** का समर्थन किया।

आलोचनाएँ:

1. प्राकृतिक दशा काल्पनिक है।
2. कोई वास्तविक अनुबंध इतिहास में नहीं हुआ।
3. यह सिद्धांत आधुनिक शासन की व्याख्या नहीं करता।
4. फिर भी इसने **जनसहमति (Consent)** और **लोकतंत्र (Democracy)** की नींव रखी।

आधुनिक महत्व:

- इस सिद्धांत ने आधुनिक **लोकतांत्रिक राज्य, संविधान और नागरिक अधिकारों** की नींव रखी।
- "**जनता का शासन, जनता द्वारा, जनता के लिए**" इसी सिद्धांत की देन है।

निष्कर्ष:

सामाजिक अनुबंध सिद्धांत सिखाता है कि राज्य ईश्वर की देन नहीं, बल्कि **जनता की इच्छा का परिणाम** है।
राज्य का उद्देश्य जनता की **सुरक्षा, न्याय और कल्याण** सुनिश्चित करना है।
यह सिद्धांत शासन को "**बल के शासन**" से "**सहमति के शासन**" में परिवर्तित करता है।

📘 **Common Exam Questions on Social Contract Theory**

(A) Short Answer / 10 Marks Questions:

1. Define Social Contract Theory.
   (सामाजिक अनुबंध सिद्धांत की परिभाषा दीजिए।)
2. What is meant by the "State of Nature"?
   (प्राकृतिक दशा से क्या तात्पर्य है?)
3. Explain Hobbes' view on Social Contract.
   (सामाजिक अनुबंध पर हॉब्स का दृष्टिकोण समझाइए।)
4. Differentiate between Hobbes and Locke's theories.

   Hobbes says old is bad, and locke says old is good.
   (हॉब्स और लॉक के सिद्धांतों में अंतर बताइए।)

(B) Long Answer / 20 Marks Questions:

1. Explain the **Social Contract Theory** and discuss the views of Hobbes, Locke, and Rousseau.
   (सामाजिक अनुबंध सिद्धांत की व्याख्या कीजिए तथा हॉब्स, लॉक और रूसो के विचारों पर चर्चा कीजिए।)
2. Discuss the **importance of Social Contract Theory** in the development of political and legal thought.
   (राजनीतिक और विधिक चिंतन के विकास में सामाजिक अनुबंध सिद्धांत के महत्व की व्याख्या कीजिए।)
3. Compare the **state of nature and civil society** according to Social Contract theorists.
   (सामाजिक अनुबंध सिद्धांतकारों के अनुसार प्राकृतिक दशा और नागरिक समाज की तुलना कीजिए।)
4. Critically examine Rousseau's concept of **General Will**.
   (रूसो की सामान्य इच्छा की अवधारणा का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।)

Principle of Social Contract

Primitive Stage

In the beginning, there was no government, law, or court. This stage is known as the **state of nature**. Thinkers like **Hobbes** called it a *selfish and violent* state, while **Locke** described it as *peaceful but uncertain*, and **Rousseau** called it a *natural and moral* condition.

People lived according to their understanding, followed their own instincts, and had certain rights. But over time, disputes arose among them — individuals began to harm each other, and everyone demanded protection for themselves, their family, and their life and property.
To ensure this protection, people formed small groups called *clans or tribes*. These gradually developed into the **state** we know today.

Hobbes' View

According to **Thomas Hobbes**, human life in the state of nature was *solitary, poor, nasty, brutish, and short*. To escape this miserable condition, people collectively entered into an **agreement** to form a state and appointed a ruler with maximum power to maintain order.
Hence, the ruler's main duty was to protect the people and maintain peace. Anyone who refused to follow this agreement was removed or punished.

Locke's View

John Locke accepted that people were free and equal in the state of nature, but since there was no established authority, conflicts arose. Therefore, they entered into a **social contract** to protect their natural rights — life, liberty, and property.
According to Locke, government exists to safeguard these rights, and if it fails to do so, the people have the right to change or remove it.

Rousseau's View

Jean-Jacques Rousseau believed that humans were originally good, moral, and free, but society's growth made them selfish and corrupt. Hence, people formed a **social contract** among themselves to establish a collective general will.
This *general will* aimed to secure equality and freedom for all. Thus, Rousseau emphasized the birth of society and collective rule by the people.

Conclusion

The government and the citizens are bound together by **mutual understanding and consent**. People surrender certain rights so that the government can protect them and maintain order. Thus, the state is based on the **social contract between rulers and the ruled.**

Principle of Social Contract — Explained

The **Social Contract Theory** is both a political and philosophical theory. It explains that the **state is created by an agreement among individuals.**

According to this theory, human beings left the primitive natural condition and agreed to live together in an organized and protected society.

Main Features of the Theory:

1. State of Nature:
   A condition without government, laws, or rules.
   Hobbes called it *brutal and selfish*, Locke called it *peaceful but uncertain*, and Rousseau called it *natural and moral.*
2. Social Agreement:
   People made an agreement to escape from problems and live a better life together.
3. Formation of State:
   As a result of this agreement, people transferred some rights to a supreme authority (the ruler or government), who in return promised protection and security.